# यूपी : जनवरी में शुरू होगी पहली सेमीकंडक्टर परियोजना

## यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में हो रही स्थापना, 3706 करोड़ रुपये का होगा निवेश, जिओ टेक सर्वे हुआ पूरा

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) क्षेत्र में प्रस्तावित प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबलिंग और टेस्टिंग परियोजना के लिए मिट्टी परीक्षण और जिओ टेक सर्वे की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जनवरी के मध्य में भूमि पूजन समारोह संभावित है। इसे विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के रोडमैप में मील का पत्थर माना जा रहा है।

परियोजना 48 एकड़ भूमि पर स्थापित की जा रही है। यह निवेश, रोजगार और नवाचार के त्रिस्तरीय मॉडल को मजबूत आधार प्रदान करेगी। साथ ही राज्य को उच्च तकनीक आधारित उद्योगों के वैश्विक नेटवर्क से भी जोड़ेगी। सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञ सचिन गुप्ता के अनुसार इस परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित 3,706 करोड़ रुपये का निवेश उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी पहचान दिलाएगा। यह महत्वाकांक्षी परियोजना को एचसीएल और ताइवान की फॉक्सकॉन के संयुक्त उपक्रम वामा सुंदरी इंवेस्टमेंट्स विकसित कर रहा है। इस परियोजना से रोजगार के लगभग 3,780 अवसर सृजित होने का अनुमान है।

इस परियोजना को भूमि लागत पर लगभग 75% की छूट स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100% छूट दी गई है। उत्तर प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति 2024 के तहत चौबीसों घंटे संचालन के लिए वाटर और पावर बैंकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। परियोजना में डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स और पावर मैनेजमेंट चिप्स का निर्माण होगा। यह मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। ब्यूरो